ग्यारस का दिन

जब दिन ग्यारस का आता है, साँवरिया माल लुटाता है
साँवरिया माल लुटाता है, सबकी झोली भर जाता है
ये सबको गले लगाता है, जब दिन ग्यारस का आता है

1. ये सेठ बड़ा दिलवाला है, माँ अहलवती का लाला है
   ये सबकी आश पुराता है, जब दिन ग्यारस का आता है

2. ग्यारस की तिथि निराली है, लौटा ना कोई खाली है
   पल में संकट टल जाता है, जब दिन ग्यारस का आता है

3. ये सोया भाग जगाता है, सबकी किस्मत चमकाता है
   ये सबकी बिगड़ी बनाता है, जब दिन ग्यारस का आता है

4. ये है दास रविन्दर का प्यारा, भक्तो की आँखों का तारा
   ये भव से पार लगाता है, जब दिन ग्यारस का आता है

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34361/title/Jab-din-Gyaras-ka-aata-hai-sanwariya-maal-lutata-hai-Gayras-ka-din

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |